भाकृअनुप–कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान
जी.टी. रोड, रावतपुर, कानपुर – 208 002
(उत्तर प्रदेश)
An ISO 9001:2015 Certified

(O) : (0512) 2533560, 2554746
Fax : (0512) 2533560, 2554746
Website: http://atarik.res.in
E-mail : zpdicarkanpur@gmail.com

दि. 18–06–2020

फार्मर फर्स्ट परियोजना की वार्षिक समीक्षा कार्यशाला

18–06–2020 : फार्मर फर्स्ट परियोजना आई.सी.ए.आर. संस्थाओं के माध्यम से प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों की देखरेख में संचालित की जा रही है। दो दिवसीय समीक्षा कार्यशाला दि. 17–18 जून को 2020 को परियोजना से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विचार मंथन हुआ जिसमें प्रमुख बातें उभर कर सामने आई।

1. परियोजना का उद्देश्य सम्पूर्ण ग्राम को इकाई मानकर किया जाना था। पूरे गांव का सर्वे आर्थिक स्थिति में सुधार हेतु आई.एफ.एस. माडल के माध्यम से गांव की आवश्यकता, एवं समस्या के निदान पर आधारित कार्यक्रम लेने थे, परन्तु वैज्ञानिक शोध आधारित कार्यक्रम लेकर चले, ग्राम वासियों की क्रमिक आय कैसे बढ़े सीधे किसानों से जुड़कर काम होना चाहिए था परन्तु ऐसा नहीं हो रहा।
2. किसान अपनी तकनीक से यदि संतुष्ठ हैं तो उस तकनीक का प्रमाणीकरण (वेलिडेशन) पर कार्य होना चाहिए।
3. न्यूट्रीशन गार्डन पर फोकस किया गया जबकि संस्थागत सम्पर्क (Approach) होना चाहिए।
4. सम्पूर्ण गांव की आय पर Assessment हो तथा उसका पूर्ण लेखा जोखा (डाक्यूमेंटेशन) हो।
5. सफल किसान की केस स्टडी तैयार कर अन्य कृषकों को अपनाने हेतु प्रेरित किया जाए।
6. परियोजना का उद्देश्य टीम वर्क में परन्तु किसान की सहभागिता नजर नहीं आ रही। लोगों की सहाभागिता एवं टीम वर्क को प्राथमिकता देकर आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देना है। संस्थायें अपनी तकनीकी पर काम कर रही हैं, किसानों को जोड़ने का प्रयास नहीं हुआ जो आवश्यक है।
7. फार्मर फर्स्ट में उत्पादों का प्रसंस्करण, मूल्यसम्वर्धन की गतिविधियाँ और संस्थायें कर रही हैं। इस परियोजना में ऐसे कार्यक्रमों का कोई औचित्य नहीं है। सभी कार्यक्रम जिला प्रशासन, राज्य सरकार के अधिकारियों, जिलाधिकारी, उपजिलाधिकारी आदि को अवलोकन कराया जाए।
8. सभी गतिविधियों में महिलाओं की सहभागिता हो जिससे महिला सशक्तिकरण को आगे बढ़ाने में मदद मिले।
9. थर्ड पार्टी या अन्य संस्था से आर्थिक विशेलषण कराया जाए, इन कार्यक्रमों में कोर संस्थायें सपोर्ट करें। स्थानीय भाषा में प्रकाशन, सफलता की कहानी प्रकाशित कराई जाए जिससे अन्य कृषक लाभान्वित हो सकें। प्रत्येक वैज्ञानिक की जिम्मेदारी सुनिश्चित की जाए जिससे कार्यक्रम में गुणवत्ता दृष्टिगोचर हो।
10. परियोजना की संरचना, विश्लेषण, फोरमूलेशन नार्म (NARM) के माध्यम से होना चाहिए। प्रयुक्त नवीन प्रजाति का प्रभाव प्रोजेक्ट साइट पर दर्शाया जाए। सभी प्रकार की रिपोर्ट पोर्टल पर अपलोड की जानी चाहिए। लाभ : लागत अनुपात गाँव लेवल पर आकलन हो न कि परिवार आधारित।

11. परियोजना का (Validation) जिस पर आधारित (Commodity based) प्रथक–प्रथक हो।
12. पशुपालन आधारित कार्यक्रमों एवं फसल उत्पादन में लागत को कम कैसे करें ऐसे प्रयास हों।
13. कार्यक्रमों का कृषक परिवार स्तर पर प्रभाव (impact) एवं आर्थिक विश्लेषण कराया जाए।
14. तकनीकी एवं कृषक को केन्द्र में रखकर एप्रोच करनी चाहिए।
15. अनिवार्य, आवश्यकता तथा एकीकृत कृषि प्रणाली की आवश्यकता चिन्हित कर कार्यक्रम पर फोकस किया जाए।
16. कामोडिटी का चयन आवश्यकतानुसार हो, एफ.पी.ओ. के माध्यम से बाजार को जोड़ा जाए जिससे किसान बिचौलियों से अलग रहकर अधिक मुनाफा प्राप्त कर सकें।
17. उत्पादन लागत एवं आय का प्रभाव आकलित किया जाए एवं अन्तरवर्ती संस्थायें एक दूसरे को समन्वय बनाकरर सहयोग आदान प्रदान करें।
18. कृषि आधारित उद्यमों से कृषि में स्थायित्व लाया जाए तथा कृषि व्यवसाय को प्रोत्साहित किया जाए।
19. सम्पूर्ण चयनित गांव का विश्लेषण हो तथा सभी ग्रामवासी कृषकों में समानता रखी जाए। उन्हें आय सम्वर्धन हेतु जागरुक किया जाए।
20. तकनीकी का विस्तार होना चाहिए। कृषकों की समस्या का समाधान आधारित एप्रोच हो। सर्वप्रथम समस्या की प्राथमिकतायें तय की जाए तथा क्रमानुसार निदान हेतु समाधान निश्चित किए जाए। इन सभी कार्यों में किसानों को सहभागी बनाया जाए।
21. सामाजिक विकास के बारे में किसानों को जोड़कर आपसी सदभाव बढ़ाने पर भी कार्य किया जाए जिससे विश्वास बना रहे। इससे संस्था भी मजबूत होगी।
22. राज्य सरकार के विभागों के साथ समन्वय कर पूरे गांव की सहभागिता से महिलाओं को जोड़कर न्यूट्रीशन आदि कार्यक्रमों से गांव की आय 2022 तक दोगुनी करने पर केन्द्रित हो।
23. सफलता की कहानी को भी अन्य किसानों तक पहुँचाई जाए तथा IASRI, DKMA, द्वारा कार्यक्रमों का अनुश्रवण कराया जाए।
24. विगत 3 वर्ष की फार्मर फर्स्ट की रिपोर्ट संकलित कर प्रस्तुत की जाए।
25. पोर्टल पर वार्षिक प्रगति विवरण अपलोड किया जाए। सभी रिपोर्ट को संकलित कर रखा जाए।
26. यथासम्भव प्रभावी प्रकाशन कराया जाए तथा लाभ : लागत अनुपात का लेखा तैयार किया जाए।

Speaker View
Exit Full Screen
suresh kumar d...
R Ray Burman, I...
Dr Rajesh Kumar
AS Panwar, Dire...
Dr. Prabhakar N...
DELL